



Written by कुमार सौवीर

Thursday, 07 September 2017 22:38

---

दर्द है, अथवा किसी गम्भीर शारीरिकसंकट क पूरव-संकेत

गनीमत है कि स्नायुवास्तुथियुके लेकर मलिनने वाली ऐसी चुनौतियों से नपिटने केला। चकिंति सा जगत खुद के वाकई बहुत गम्भीरता केसाथ सजग और मुस्तैद है। अब बस सरिफयह समझने के जरूरत है कि ऐसी शारीरिकशक्तियों क नदिान कराने केला। वह शख्स स किससे सम्पर्क करे जाहरि है कि ऐसी अधकिंश दकिं क्तें फजियोथेरेपी के ही होती है, इसला मरीजों के यह समझना होगा कि वे सीधे आसपास के किसी फजियोथेरेपी सेंटर या किसी कुशल फजियोथेरेपिस्ट से सम्पर्क करें। डॉ गौरव और डॉ जैनैन्द्र चेतावनी देते हैं कि किसी क्क वेक या झोलाछाप डॉक्टर से सलाह लेना किसी आत्माघाती क्दम से कम नहीं होगा।

तो बस आखरि में सरिफइतना ही कहना है कि:- हैप्पी वरल्ड फजियोथेरेपी डे खुश भी रहयि, और अपने शरीर के भी खुश रखयि। यह दोनों ही क्क दूसरे के पूरक है।

